

DO AND DON'T'S FOR SAFE & HAPPY DIWALI

Diwali is a festival of light and joy. Often it turns into sorrow due to cracker injuries.
Through your esteemed news paper we wish to inform the general public, certain
precautions which are given below.

Do's

1. Use non-explosive crackers only.
2. Burn crackers in open space only.
3. Burn crackers in supervision of elders.
4. Use long stick with candle tied to its end to ignite the crackers
5. Pour lots of water over the burn area for 10-15 mts. in case of mishap.
(Always keep few buckets of clean water handy for this).
6. Contact your doctor as early as possible.

Don't Do's

1. Don't lean over the crackers while lightning them. Don't light flower pot and Bombs holding them in hands.
2. Don't wear loose and synthetic clothes while playing with crackers.
3. Don't burn crackers in vicinity of inflammable items, like petrol, kerosine, and LPGs.
4. Don't apply cow dung, mud or ash over the crackers. (never)
5. Don't burn "Chakri" near the heap of crackers.
6. Don't fiddle with fizzled out or a partially burnt crackers.

दीपावली खुशियों का त्यौहार है परन्तु यह देखा गया है कि दीपावली के दिन पटाखों के इस्तेमाल की वजह से अनेक जले हुए मरीज आते हैं। इन दुर्घटनाओं को कम करने हेतु निम्न बातों पर अवश्य ध्यान दे। यदि दुर्घटना हो भी जाये तो प्राथमिक चिकित्सा हेतु निम्न जानकारी प्रस्तुत की जा रही है:-

सावधानियाँ

1. पटाखों को किसी खुली जगह या खुली छत पर ही जलाये। घर के अन्दर या किसी भी बंद जगह में पटाखे न जलाये। किसी ज्वलनशील पदार्थ (जैसे पेट्रोल, मिट्टी का तेल या ईंधन गैस) के आस—पास पटाखे न जलाये।
2. पटाखों को दूर से ही जलाये। ऊपर से झाँकते हुए पटाखों को न जलाये। बेहतर होगा कि किसी लम्बे डण्डे में मोमबत्ती या अगरबत्ती बाँध कर ही पटाखों को जलाये।
3. अधजले पटाखों से छेड़छाड़ न करे। राकेट को सीधी ऊपर की दिशा में रख कर ही चलाये। चकरी को पटाखों के ढेर से दूर रख की ही चलाये। सीटी बम का इस्तेमाल न करे।
4. बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दे।
5. पटाखे जलाते वक्त ढीले व सिथेंटिक कपड़े न पहने।
6. हमेशा घर में 2–3 बाल्टी साफ पानी का इन्तजाम करके रखें, जिसको किसी अकस्मात घटना के समय उपयोग किया जा सके।

जलने के उपरांत प्राथमिक उपचार

1. जल जाने पर जले हुए धाव को शीघ्रतिशीघ्र ढेर सारे साफ पानी से 15–20 मिनट तक लगातार धोये।
2. जले हुए धाव पर किसी भी प्रकार की मिट्टी, गोबर या राख न लगाये।
3. शीघ्र ही किसी डाक्टर से सम्पर्क स्थापित करे।

बाल चिकित्सा एवं स्नातकोत्तर शैक्षणिक संस्थान, नौएडा
द्वारा जनहित में प्रकाशित।

सुरक्षित एवं प्रसन्नचित्त दीपावली के लिए करें/न करें

दीपावली रोशनी एवं खुशियों का त्यौहार है। लेकिन अक्सर पटाखों से जलने के कारण यह त्यौहार दुःख में परिवर्तित हो जाता है। आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र के माध्यम से हम निम्नलिखित सावधानियाँ जनहित में जारी करना चाहते हैं जो निम्नवत् हैं:-

करें:-

1. केवल रोशनी युक्त पटाखों का इस्तेमाल करें।
2. पटाखों को खुली जगह पर ही जलायें।
3. पटाखों को अपने से बड़ों के निरीक्षण में जलायें।
4. पटाखों को जलाने हेतु लम्बी छड़ी में मोमबत्ती लगाकर दूर से जलायें।
5. किसी दुर्घटना की स्थित में जले हुए भाग पर 10–15 मिनट तक लगातार पानी डालें।

न करें:-

1. पटाखों को जलाते समय उसके उपर न झुकें।
2. पटाखों को हाथ में रखकर न जलायें।
3. पटाखों को जलाते समय ढीले एवं सिंथेटिक कपड़े न पहनें।
4. पटाखों को ज्वलनशील पदार्थों जैसे पेट्रोल, केरोसीन एवं एल.पी.जी आदि के आस-पास न जलायें।
5. जले हुए भाग पर गोबर, कीचड़ (मिट्टी) अथवा राख न लगायें।
6. पटाखों के ढेर के पास “चकरी” जैसे पटाखों का इस्तेमाल न करें।
7. अपूर्ण जले हुए पटाखों को पास जाकर फूँक कर बुझाने की कोशिश न करें।

बाल चिकित्सा एवं स्नातकोत्तर शैक्षणिक संस्थान, नोएडा

द्वारा
जनहित में जारी